ललितकला के आधारभूत सिद्धान्त

डॉ. मीनाक्षी कासलीवाल 'भारती'

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

॥ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ॥

अनुक्रम

अध्याय		पृष्ठ संख्या
	खण्ड–'अ'	
1.	कला का अर्थ और परिभाषा (कलाओं का वर्गीकरण, कलाओं का महत्त्व)	3–15
2.	दृश्य कलायें व प्रदर्शनकारी कलायें (चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत कला, नृत्य व नाट्य कला)	16–27
3.	विभिन्न कला–शैलियों का वर्गीकरण (जनजातीय कला, लोक कला, शास्त्रीय कला, आधुनिक कला)	28–60
4.	सृजनात्मक प्रक्रिया (प्रत्यक्षीकरण, अनुभूति, कल्पना और सृजनात्मक अभिव्यक्ति)	61–66
	खण्ड–'ब'	
1.	चित्रकला के तत्त्व (रेखा, रूप, वर्ण, तान, पोत व अन्तराल)	69–110
2.	संयोजन के सिद्धान्त (सहयोग, सामन्जस्य, सन्तुलन, प्रभाविता, प्रवाह, प्रमाण)	111–145
3.	परिप्रेक्ष्य	146–156
4.	अंकन और अनुअंकन	157–163
5.	विषय तथा विषय–वस्तु	164–167
6.	भारतीय चित्रकला के षडंग	168–177
7.	कला और प्रकृति	178–182
8.	कला और समाज	183–185
9.	कला और धर्म	186–190
10.	कला के अन्तर्गत विविध पहलू	191–210
11.	दृश्यकलाओं में परम्परागतता और आधुनिकता	211–228
12.	दृश्यकलाओं की निर्मिति में सहायक परम्परागत और आधुनिक माध्यम तथा सामग्री	229–262

अध्याय		पृष्ठ संख्या
	खण्ड–'स'	
	भारतीय मूर्तिकला का इतिहास	265–266
1.	प्रागैतिहासिक काल (सिन्धु घाटी की सभ्यता–हड़प्पा व मोहनजोदड़ो)	267–269
2.	मौर्य काल	270–277
3.	शुंग–कालीन मूर्तिकला–साँची, भारहुत	278–285
4.	अमरावती	286–290
5.	कुषाण–सातवाहन काल–गांधार शैली, मथुरा शैली	291–301
6.	गुप्त काल	302–308
7.	पूर्व मध्यकाल (एलोरा, ऐलिफेन्टा, मामल्लपुरम्)	309–315
•	सन्दर्भ ग्रन्थ एवं पुस्तकें	316–318
•	छाया–चित्र सूची	319–320
•	चित्रावली	321–337